



करंट क्राइम

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ सच...



● नई दिल्ली | मंगलवार 05 नवंबर-2024

● वर्ष: 9 अंक: 312 पेज-09

● RNI NO. DELHIN/2015/65364

● मूल्य: ₹3

आज गाजियाबाद आ रहे हैं सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव

सपा नेता अभिषेक गर्ग के फार्म हाउस में भरेंगे कार्यकर्ताओं में जोश

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोकसभा चुनावों के बाद उत्तर प्रदेश की सियासत में समाजवादी पार्टी सबसे बड़ा विपक्षी दल बनकर सामने आई है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव समाजवादी तैवरों के साथ लगातार सरकार को घेर रहे हैं। गाजियाबाद में विधानसभा उपचुनाव होना है और यहाँ समाजवादी पार्टी कांग्रेस के साथ मिलकर चुनावी रण में हैं। समाजवादी पार्टी ने यहाँ सीट को अपने कोटे में लिया है और कांग्रेस यहाँ सहयोगी दल के रूप में चुनाव लड़ा रही है। समाजवादियों के बीच ऊर्जा का संचार करने के लिए आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गाजियाबाद आ रहे हैं। वो गाजियाबाद में सपा कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

दैनिक करंट क्राइम ने पहले ही प्रकाशित किया था कि सम्मेलन स्थल के लिये सपा नेता अभिषेक गर्ग के फार्म हाउस को चुना गया है। एक तरह से ये स्थान का चयन होना सपा नेता अभिषेक गर्ग का मान बढ़ाने वाली बात है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव आज इंपीरियल फार्म हाउस में सम्मेलन को संबोधित करेंगे। वह लगभग दोपहर 12 बजकर 45 मिनट पर बजे इंपीरियल गार्डन पहुंचेंगे यहाँ वो सपा कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव के संबंध में बैठक करेंगे। वो लगभग दो बजकर 45 मिनट तक इंपीरियल फार्म हाउस में रहेंगे। आज समाजवादियों का सम्मेलन यहाँ होना है।

समाजवादियों को ना करना पड़ा वेट इसलिए सड़क चुनी है ऐलिवेट

अखिलेश यादव सियासत के मझे हुए खिलाड़ी हैं। वो जानते हैं कि संदेश के से देना है। एलिवेटेड रोड समाजवादी पार्टी के कार्यकाल में बनी थी। एक बार इस रोड के उद्घाटन से पहले समाजवादियों ने फीता काटकर इस रोड का उद्घाटन कर दिया था और यहाँ साइकिल चलाई थी। समाजवादी इस सड़क को सपा कार्यकाल की उपलब्धि मानते हैं। बताया जाता है कि जब समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव हिंडन एयरपोर्ट पर आएंगे तो वहाँ से इंपीरियल फार्म हाउस एलिवेटेड रोड के रास्ते आएंगे। इसके पीछे तर्क ये दिया जा रहा है कि समाजवादियों को ज्यादा इंतजार ना करना पड़े और बीच शहर के ट्रैफिक से भी बचा जा सके। इसलिए यह रुट चुना गया है। बहरहाल जो भी रुट होगा अखिलेश यादव यहाँ पहुंचेंगे।

एक हजार समाजवादी कार्यकर्ता रहेंगे बूथ सम्मेलन में मौजूद

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गाजियाबाद में होंगे। वो यहाँ समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव के संबंध में बैठक करेंगे। इस कार्यक्रम को सपा जौनल बूथ सेक्टर कार्यकर्ता सम्मेलन बताया जा रहा है। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन एडवोकेट ने करंट क्राइम से बातचीत में बताया कि यह सम्मेलन समाजवादियों का सम्मेलन है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष आ रहे हैं और इस सम्मेलन में लगभग एक हजार समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

मंच पर रहेंगे कांग्रेस और सपा के अध्यक्ष

समाजवादी पार्टी का सम्मेलन है। ये सम्मेलन मूल रूप से समाजवादियों का सम्मेलन माना जा रहा है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सपा कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव से संबंधित बैठक करेंगे। लिहाजा ऐसे में कांग्रेस के नेता यहाँ दिखाई नहीं देंगे। लेकिन यहाँ मंच का जो फॉर्मेट आया है उसमें सपा के जिला और महानगर अध्यक्ष मौजूद रहेंगे और उनके साथ कांग्रेस के भी जिला और महानगर अध्यक्ष मौजूद रहेंगे। उपचुनाव का समय है तो ऐसे में सपा कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवार को भी मंच पर स्थान मिलेगा। इसके अलावा मंच पर कौन किस प्रोटोकॉल से मौजूद रहेगा इसका फॉर्मेट प्रदेश से आना है और उसी के अनुसार व्यवस्था बनेगी। उसी के अनुरूप मंच पर समाजवादी नेताओं को स्थान मिलेगा।

गाजियाबाद में प्रेसवार्ता करें सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का कार्यक्रम गाजियाबाद में है वो लखनऊ से निजी वायुयान के द्वारा गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट पहुंचेंगे और यहाँ से फिर वो कार द्वारा प्रस्थान करेंगे। वो कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगे वो कार्यकर्ताओं को चुनावी मंत्र देंगे। यहाँ पर ये बताया जा रहा है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव सम्मेलन के बाद प्रेसवार्ता करेंगे। लखनऊ से जो कार्यक्रम आया है उसमें प्रेसवार्ता का भी जिक्र है। ऐसे में ये माना जा रहा है कि अखिलेश यादव प्रेसवार्ता नहीं करेंगे। इस बात की संभावना है कि वो कार्यक्रम स्थल से बाहर आते समय चलते-चलते मीडिया से रूबरू हो सकते हैं। कुछ सवाल के जवाब दे सकते हैं। अपनी बात कह सकते हैं, लेकिन विधिवत रूप से प्रेसकांफ्रेंस का कोई फॉर्मेट दिखाई नहीं दे रहा।

समाजवादी संगठन अध्यक्षों के लिये होगी यह एक अग्निपरीक्षा

सपा के जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन और सपा के महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव एडवोकेट के लिये यह एक बड़ी परीक्षा है। इसकी वजह भी यह है कि जबसे इन दोनों चेहरों ने अध्यक्ष वाली कुर्सी संभाली है तब से यहाँ कोई ऐसा सम्मेलन, सभा नहीं हुई है जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आए हैं। कोई ऐसा सम्मेलन नहीं हुआ जिसमें दोनों अध्यक्षों को अपना होमवर्क चार्ट दिखाया हो, लेकिन अब ये मौका है जब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यकर्ताओं और संगठन पदाधिकारियों से रूबरू होंगे। वो बूथ कमेटीयों की समीक्षा करेंगे, वो इस बात को भी जांच सकते हैं कि वार्ड में कितना काम हुआ है। वो यह भी पूछ सकते हैं कि संगठन की बैठकों में कौन-कौन नहीं आता है। सपा फ्रंटल अध्यक्षों की कार्यशैली की समीक्षा हो सकती है। कुल मिलाकर यह संगठन के लिये एक बड़ी परीक्षा है। क्योंकि अगर यहाँ सपा संगठन का इंप्रेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष के सामने ठीक नहीं रहा तो इसके इफेक्ट दिखाई देंगे। समाजवादियों को पूरा होमवर्क करके आना होगा और राष्ट्रीय अध्यक्ष मंच से कुछ भी पूछें तो उसका उत्तर सही बताना होगा।

आज होंगे सीन से आउट चल रहे समाजवादियों के मी दीदार

मौका चुनाव का है और बूथ की समीक्षा करने स्वयं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आ रहे हैं। वो कार्यकर्ताओं के साथ बैठेंगे, चुनाव की बैठक लेंगे और ऐसे में आज उन समाजवादियों के मी दीदार होंगे जो लंबे समय से पार्टी कार्यालय के अंदर तो क्या बाहर भी नजर नहीं आए। पार्टी के सीन से आउट चल रहे कई समाजवादी चेहरे आज नजर आएंगे। जब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आएंगे तो मोदीनगर से लेकर हिंडनपार तक के समाजवादी दिखाई देंगे। पुराने समाजवादियों के चेहरे दिखाई देंगे। वो समाजवादी नजर आएंगे जो सपा कार्यालय का रस्ता भूल गए हैं। वो समाजवादी भी दिखाई देंगे जो किसी बैठक में नहीं आते हैं। वो समाजवादी भी आज अपने दर्शन देगे जो लंबे समय से सपा के किसी प्रदर्शन में भी नहीं दिखाई दिये।



सोमवार को अलर्ट मोड पर रही कमिश्नर पुलिस खुद एडिशनल सीपी ने तीनों जोन में जांची सुरक्षा व्यवस्था



सेट पर लगाई कई चौकी प्रमारियों को फटकार

गाजियाबाद, करंट क्राइम : सोमवार को कई दिनों के बाद बैंक खुले थे, तो वहीं लौहारी सीजन के बाद बाजारों में भी भीड़भाड़ थी। ऐसे में किसी प्रकार की वारदात ना हो,

इसको लेकर पुलिस कमिश्नरट गाजियाबाद के अधिकारियों ने सभी एसीपी स्तर और थाना प्रभारियों को अलर्ट मोड पर रखा था। सोमवार को सुबह नौ बजे से ही एडिशनल सीपी दिनेश कुमार पी कमिश्नरट के अंतर्गत आने वाले तीनों जोन के औचक निरीक्षण पर रहे। इस दौरान कई चौकी

नवयुग मार्केट में मिली गड़बड़ी, तो साहिबाबाद में लगी फटकार

करंट क्राइम : एडिशनल सीपी दिनेश कुमार पी सोमवार को ऑन रोड थे। वह अलग-अलग जोन में पुलिस की चेकिंग और व्यवस्था की जांच कर रहे थे। इस दौरान सूत्रों से जानकारी मिली है कि सिटी जोन के अंतर्गत आने वाले बैंक के सबसे बड़े जोन नवयुग मार्केट में पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था लचर मिली थी। जहाँ चौकी प्रभारी को कार्रवाई वाली फटकार भी लगाई गई थी। तो वहीं साहिबाबाद में दो चीता मोबाइल की लोकेशन ठीक नहीं पाई गई। इसके साथ ही कोशाबी के चौकी प्रभारी को भी फटकार सुनाई गई थी। बताया जा रहा है कि यह अभियान पुलिस आयुक्त के निर्देश पर चलाया गया था। दरअसल बीते कई दिनों से बैंक लौहारी सीजन की वजह से बंद थे। सोमवार को बाजारों और सार्वजनिक स्थानों में भीड़भाड़ बढ़ी थी, ऐसे में किसी प्रकार की वारदात ना हो। इसको लेकर पुलिस ने यह अलर्ट मोड अपनाया था।

प्रभारियों को सेट पर लापरवाही मिलने पर फटकार लगाई गई। तो कुछ को लाइन भेजने के भी मौखिक आदेश दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि कई ड्यूटी पॉइंट पर पुलिसकर्मी नदारत मिले, तो कई स्थानों पर पुलिस अधिकारियों ने फोर्स के साथ पैदल मार्च भी निकाला।

छठ महापर्व की आज से हो रही है शुरुआत घाटों पर रहेंगे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

- ड्रोन और सीसीटीवी से होगी निगरानी

- हिंडन किनारे तैनात किए जाएंगे गोताखोर

गाजियाबाद, करंट क्राइम: चार दिनों तक चलने वाला लोक आस्था के महापर्व छठ की आज यानी मंगलवार से नहाय-खाय के साथ शुरू हो जाएगी। बुधवार को खरना और गुरुवार को पहला अर्घ्य दिया जाएगा, जबकि शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ यह पूजा समाप्त हो जाएगी।

छठ पर्व पर गाजियाबाद के अलग-अलग छठ घाटों पर भक्तों की काफी भीड़ होती है। ऐसे में जिला

पीएसी से लेकर एनडीआरएफ तक रहेगी तैनात

करंट क्राइम : डीसीपी ट्रांस हिंडन जोन निमित्त दशरथ पाटिल ने बताया है कि छठ महापर्व को लेकर पुलिस की ओर से सभी तैयारियां की जा रही हैं। हिंडन और उसके आसपास के सभी घाटों पर पुलिस को लगाया जाएगा। ड्रोन और सीसीटीवी के जरिए निगरानी रखी जाएगी। तो इसके साथ ही एनडीआरएफ और पीएसी के गोताखोर भी लगाए जाएंगे ताकि किसी प्रकार की जनहानि ना हो। वहीं महिलाओं के त्योहार और भीड़ होने की वजह से महिला पुलिसकर्मियों को भी बड़ी संख्या में हिंडन के अलग-अलग छठ घाटों पर तैनात किया जाएगा। साथ ही पार्किंग व रुट डायवर्जन का प्लान भी लागू किया जाएगा।



प्रशासन व पुलिस तैयारी में लगी हुई है। सभी घाटों को लगभग पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है। वहीं सुरक्षा

इंतजाम भी किए गए हैं। बैरिकेडिंग से लेकर सुरक्षा के लिए कैमरों व ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जाएगा। कमिश्नरट के तीनों जोन में डीसीपी स्तर के अधिकारियों ने आयोजन स्थानों का जायजा ले लिया है।

गाजियाबाद सहित वेस्ट यूपी में तेज हुआ अधिवक्ताओं का आंदोलन सोमवार को टप्प रहा गाजियाबाद कचहरी का कामकाज, मंगलवार को भी कार्य बहिष्कार की घोषणा

- आज से टाइपिस्ट भी नहीं करेंगे कोई काम - बड़ी संख्या में तैनात रहा पुलिस बल



कमेटी ने दर्ज किए अधिवक्ताओं सहित पूर्व व वर्तमान अध्यक्षों के बयान

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद में बीते दिनों कोर्ट रूम के अंदर अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के मामले को लेकर सोमवार को उत्तर प्रदेश के साथ ही दिल्ली और प्रदेश के कई शहरों में वकीलों ने कार्य बहिष्कार किया। तो

वहीं बार एसोसिएशन गाजियाबाद ने मंगलवार को भी कार्य बहिष्कार की घोषणा कर दी है। बार एसोसिएशन गाजियाबाद के अध्यक्ष दीपक शर्मा और सचिव अमित कुमार नेहरा ने सात सूत्रीय प्रस्ताव जारी करते हुए मंगलवार को



दो स्थानों पर चला दिनभर धरना-प्रदर्शन

करंट क्राइम : सोमवार को बार एसोसिएशन गाजियाबाद के आवाहन पर गाजियाबाद कचहरी में हड़ताल थी। तो अधिवक्ता दो स्थानों पर धरना प्रदर्शन करते हुए नजर आए। सेल टेक्स तिराहे पर जहां बार एसोसिएशन गाजियाबाद का एक गुट दलबल के साथ मौजूद था। तो दूसरा दल बार रूम के बाहर प्रदर्शन कर रहा था। वहाँ बड़ी संख्या में आगरा, गौतमबुद्धनगर, मेरठ, हापुड, अलीगढ़ से वकील पहुंचे थे।

भी अधिवक्ताओं से काम न करने की अपील की है। इसके साथ ही सभी अधिवक्ताओं ने जिला जज का भी बहिष्कार कर दिया है। वहीं इसके साथ ही बार प्रांगण गाजियाबाद स्थित सभी टाइपिस्ट को आदेशित किया

गया है कि कोई भी टाइपिस्ट काम नहीं करेगा। उधर सोमवार को अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते कामकाज ठप रहा। तो वहीं पुलिसकर्मी भी कचहरी में आने-जाने से बचते रहे।

कमेटी भी पहुंची और लिए बयान

करंट क्राइम : उत्तर प्रदेश बार काउंसिल द्वारा नामित की गई पांच सदस्यीय कमेटी को लेकर चेयरमैन शिव किशोर गौड़ स्वयं सोमवार को गाजियाबाद पहुंच गए। बता दें कि काउंसिल की ओर से गाजियाबाद के जिला न्यायालय में वकीलों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज को बहुत गंभीरता से लेते हुए जांच कमेटी गठित की थी। कमेटी में बार काउंसिल के पांच पूर्व अध्यक्ष शामिल किए गए हैं। बार काउंसिल के अध्यक्ष शिवकिशोर गौड़ की अध्यक्षता में कमेटी जीटी रोड स्थित लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में ठहरी हुई है। कमेटी ने दोनों पक्षों को बयान दर्ज कराने के लिए गेस्ट हाउस बुलाया था। बार एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ताओं ने कमेटी के समक्ष पेशा होकर बयान दर्ज कराए गए हैं, हालांकि जिला जज बयान दर्ज कराने नहीं पहुंचे। जांच कमेटी में बार काउंसिल के पांच पूर्व अध्यक्ष बार काउंसिल ने गाजियाबाद कोर्ट परिसर में हुए प्रकरण के तत्काल बाद उत्तर प्रदेश बार काउंसिल की ओर से जांच के लिए बार काउंसिल सदस्य और पूर्व अध्यक्ष रोहितशिव अग्रवाल, प्रशांत सिंह अटल, मधुसूदन त्रिपाठी, अरुण कुमार त्रिपाठी और अजय यादव को गाजियाबाद पहुंचकर प्रकरण की जांच करने के निर्देश दिए थे। 29 अक्टूबर को हुए विवाद के बाद दिवाली की छुट्टियां पड़ गई थीं। छुट्टियों के बाद पहले वर्किंग डे पर सोमवार को कमेटी गाजियाबाद पहुंच गई और सुनवाई भी शुरू कर दी।



पूर्व व वर्तमान बार एसोसिएशन अध्यक्षों व अधिवक्ता नाहर सिंह के बयान दर्ज

करंट क्राइम : कमेटी द्वारा तलब किए जाने पर सोमवार को गाजियाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा, सचिव अमित नेहरा, पूर्व अध्यक्ष मुनीश त्यागी, सुनील दत्त त्यागी, अनिल पंडित, एक्टर कमेटी चेयरमैन राम अवतार गुप्ता, हरेंद्र गौतम, योगेंद्र कौशिक और राकेश त्यागी काकड़ा पेश हुए और अपने बयान दर्ज कराए। इसके अलावा पूर्व बार अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता नाहर सिंह यादव और उनके पुत्र अभिषेक यादव का भी बयान दर्ज किया गया। बता दें कि यह पूरा प्रकरण जिला जज अनिल कुमार और अधिवक्ता नाहर सिंह यादव के बीच हुई तीखी नोकझोंक के बाद हुआ है।

हाईकोर्ट के समक्ष अपनी बात रखेगी कमेटी

करंट क्राइम : कमेटी के चेयरमैन शिव किशोर गौड़ का कहना है कि कमेटी ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार को बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया था लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए। बार काउंसिल के चेयरमैन शिव किशोर गौड़ ने कहा कि जांच के दौरान जो तथ्य सामने आए हैं उसके अनुसार जिला जज का व्यवहार बर्दाश्त करने योग्य नहीं है। वकीलों के सम्मान को लड़ाई को पूरी मजबूती से लड़ा जाएगा। वकील भी धैर्य रखें। शीघ्र हाईकोर्ट के समक्ष समिति अपनी बात रखेगी। उन्होंने कहा कि घायल अधिवक्ताओं और पुलिस अधिकारियों के भी बयान लिए जाएंगे।

बड़ी संख्या में तैनात रहा पुलिस बल

करंट क्राइम : सोमवार को अधिवक्ताओं ने हड़ताल की घोषणा की थी और कार्य बहिष्कार भी था। ऐसे में सुबह से ही पुलिस कमिश्नरट कार्यालय, जिला मुख्यालय और गाजियाबाद कोर्ट के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनाती की गई थी। खुद एसीपी कवि नगर अभिषेक श्रीवास्तव और थाना प्रभारी योगेंद्र मलिक पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। इस दौरान तीन ट्रक पीएसी और आरआरएफ को भी रीजर्व में रखा गया था।



करंट क्राइम

सिर्फ सच...

03

नई दिल्ली | मंगलवार 05 नवंबर-2024

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित



प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने दिया सहजता-नाराजगी दूर करने और बूथ पर डटे रहने की बात पर जोर कहा ये चुनाव नहीं बल्कि सभी की प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ लक्ष्य है



गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी शहर विधानसभा क्षेत्र में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित बूथ सम्मेलन का उद्घाटन करने आए। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर विधिवत शुभारंभ किया और यहां प्रस्तावना बताने के लिये सबसे पहले चुनाव संयोजक पूर्व मेयर अशु वर्मा ने बूथ सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के समक्ष संगठन की रचना का ब्यौरा प्रस्तुत किया। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिशोदिया ने सभी बूथ की रचना से जुड़े पदाधिकारियों का व्रत लिया। बूथ सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के साथ मंच पर खड़े होने के साथ सभी ने हाथ में प्रकाशवान



खिलता हुआ कमल भारी जीत के समर्थन के संकेत में प्रदर्शित किया। सबसे खास बात ये रही कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने अपने संबोधन में नाराजगी दूर करने की बात की, सहजता से मिलने की बात कही और चुनाव को प्रतिष्ठा से जुड़ा लक्ष्य बताया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा



कि सभी कार्यकर्ताओं को बूथ पर डटे रहना है। नाराज लोगों की नाराजगी हर हाल में दूर करनी है। उन्होंने कहा कि हमारे लिये ये चुनाव केवल चुनाव ही नहीं है सभी की प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ लक्ष्य है। हमें सहजता के साथ लोगों से मिलना है। जीत आपकी झोली में है। संजीव शर्मा



ने अपने संबोधन में सभी देवतुल्य कार्यकर्ताओं की भारी उपस्थिति से भावविभोर होने की बात कही। उन्होंने कहा सभी कार्यकर्ताओं ने मेरे साथ जिस ऊर्जा से संगठन के लिए ऐतिहासिक काम किया है उसी प्रकार से इस उपचुनाव में भी सभी मिलकर एक नया इतिहास बनाएंगे।

ये चेहरे रहे बूथ सम्मेलन में प्रमुखता से मौजूद

करंट क्राइम। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के साथ मंचासन क्षेत्रीय अध्यक्ष शिशोदिया, भाजपा प्रत्याशी संजीव शर्मा, सांसद अतुल गर्ग, क्षेत्रीय प्रभारी सुभाष यदुवंश, प्रदेश मंत्री वसंत त्यागी, योगी सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप एवं मंत्री कपिल अग्रवाल, चुनाव प्रभारी हिमांशु मित्तल, पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी, सांसद रमेश चंद्र तोमर, पूर्व राज्य सभा सांसद अनिल अग्रवाल, पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरोंही, महापौर सुनीता दयाल, पूर्व महापौर आशा शर्मा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मयंक गोयल, पूर्व क्षेत्रीय महामंत्री अशोक मोंगा, बलदेव राज शर्मा, जिलाध्यक्ष सतपाल प्रधान, सरदार एसपी सिंह, अमर दत्त शर्मा, महेश अग्रवाल, अनिल स्वामी, चुनाव सह संयोजक राजीव शर्मा एवं सुनील यादव, हातम सिंह नागर, पवन गोयल, विजय मोहन, अशोक संत, राजीव त्यागी, डॉक्टर वीरेश्वर त्यागी, अमित कल्याणी, सरदार बलवीर सिंह, महामंत्री गोपाल अग्रवाल, सुशील गौतम, राजेश त्यागी, बॉबी त्यागी, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी आदि मौजूद रहे। महिला मोर्चा अध्यक्ष उदिता त्यागी ने सभी महिला कार्यकर्ताओं के साथ बूथ सम्मेलन में आए कार्यकर्ताओं का प्रवेशिका और स्वागत का कार्य किया।

भगवा चुनावी दफ्तर पर भले ही दिखे जनरल के फोटो को लेकर मजबूरियां मगर पुरबिया संस्था ने नहीं दिखाई छठ पूजा पर जनरल से कोई दूरियां

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जैसे तो ये राजनीति का दस्तूर होता है जो सामने होता है उसे याद रखते हैं और उसे भूल जाते हैं जो दूर होता है। राजनीति में ये आम बात है और इसे सियासत का तकाजा भी कहते हैं। यहां कुछ महीने पहले वक्ता बदला और फिर बहुत कुछ बदल गया। जो चेहरा पहले मंडल से लेकर लोकसभा के होर्डिंग में दिखाई देता था अब वो चेहरा गायब हो गया है। भाजपा का चुनावी दफ्तर खुला और चुनावी दफ्तर से भी जनरली ये चेहरा गायब है। ये बदलते वक्ता का तकाजा है और ये भी हो सकता है कि ये पार्टी का नया फॉर्मेट हो क्योंकि कई बार पूर्व के स्थान पर वर्तमान को प्रोटोकॉल में रखा जाता है। लेकिन भाजपा वाले भी ये मानते हैं कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह गाजियाबाद में कई भगवा होर्डिंग्स से गायब हैं और उपचुनाव में भी अभी तक उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार करने के लिये वो नहीं आए हैं। हालांकि वो दीवाली के मौके पर दो बार अपने राजनगर स्थित आवास पर आए हैं। भले ही वो फ्रेम से आउट हैं लेकिन पुरबिया जनकल्याण परिषद का उनके प्रति प्रेम बरकरार है। ना तो वो पार्टी के फॉर्मेट पर चले हैं और ना ही उन्होंने जनरल वीके सिंह को फॉरगेट किया है। पुरबिया संस्था ने ये दिखाया है कि भगवा सियासत अपनी बात अपने आप जाने, फूल वाले अपने रूल आप जाने लेकिन हम जनरल वीके सिंह को नहीं भूलें हैं। वो हर साल छठ पूजा पर उन्हें आमंत्रित करते हैं और इस साल भी जनरल को उन्होंने चीफ गेस्ट के रूप में आमंत्रित किया है।



ही उन्होंने जनरल वीके सिंह को फॉरगेट किया है। पुरबिया संस्था ने ये दिखाया है कि भगवा सियासत अपनी बात अपने आप जाने, फूल वाले अपने रूल आप जाने लेकिन हम जनरल वीके सिंह को नहीं भूलें हैं। वो हर साल छठ पूजा पर उन्हें आमंत्रित करते हैं और इस साल भी जनरल को उन्होंने चीफ गेस्ट के रूप में आमंत्रित किया है।

सात नवंबर को जनरल बरसाएंगे हैलीकॉप्टर से फूल

करंट क्राइम। सात नवंबर को जनरल वीके सिंह छठ महोत्सव में भाग लेने के लिए आएंगे। वो सात नवंबर को सभी घाटों पर हैलीकॉप्टर पर पूषा वर्षा करेंगे। व्रतधारियों, श्रद्धालुओं और छठ माता का सम्मान करेंगे। पांच नवंबर से आठ नवंबर तक महापर्व का कार्यक्रम चलेगा। हिंडन नदी की पूजा के साथ शुरू हुई तैयारियां करंट क्राइम। पुरबिया जनकल्याण परिषद ने सोमवार को हिंडन नदी की मंत्रोच्चारण द्वारा पूजा के साथ विधिवत शुरूआत की। नारियल तोड़कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। हिंडन नदी मोहननगर वाली साइड पर महापर्व छठ पूजा कारसेवा अभियान का कार्यक्रम रखा गया। घाटों की सफाई शुरू की गई। सभी छठ घाटों के कारसेवक मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि छठ से पहले सभी कार्य पूरे कर लिये जाएंगे। समय से हिंडन नदी में पर्याप्त जल छोड़ने के लिये प्रशासन प्रयासरत है। इस अवसर पर रीता सिंह, अशोक श्रीवास्तव, राकेश तिवारी, साधुराम, किनोद अकेला, मनोज कुमार, तिलकराम पांडे, राम प्यार यादव, किंचन तिवारी, सुभाष सिंह, राजदेव यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे।

एलिवेटेड रोड पर बारातियों ने स्टंट करते हुए लगाया था जाम, पुलिस ने कराया फिर हवालात में इंतजाम



गाजियाबाद, करंट क्राइम। एलिवेटेड रोड पर एक बारात जा रही थी और बारात में शामिल लोग जोश में थे और वह रील की खुमारी में रोड जाम कर बैठे। सोशल मीडिया पर जब यह वीडियो वायरल हुआ तो इंदिरापुरम पुलिस हरकत में आई और आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार करते हुए हालात के दर्शन करवा दिए गए। पकड़े गए पांचों युवक नई उम्र के हैं। जो एक बारात में जा रहे थे, साथ ही पुलिस ने पांच गाड़ियां भी जब्त की हैं। जिसमें थार जीप, स्विफ्ट व अन्य गाड़ियां शामिल हैं। बताया जा रहा है पकड़े गए सभी आरोपी खोड़ा, लोनी, दिल्ली व गाजियाबाद के रहने वाले हैं।

पांच वाहन भी किए गए सीज

पांच को किया गया गिरफ्तार

करंट क्राइम। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र सिंह ने जानकारी दी है कि पुलिस ने आसिफ, वसीम निवासी खोड़ा, अनुराज गौतम बुद्धनगर, नईम लोनी और मोहम्मद कैफ दिल्ली मोजपुर को गिरफ्तार किया है। सभी नई उम्र के लड़के हैं। इन्होंने अपनी गाड़ी को मॉडिफाई कराया हुआ था। साथ ही सभी रोड जाम करते हुए स्टंट करने के साथ हंगामा कर रहे थे। पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पहुंचना था बारात में पहुंच गए हवालात में करंट क्राइम। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पकड़े गए सभी आरोपी एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान स्टंटबाजी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर एलिवेटेड रोड जाम का वायरल हुआ। जिसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार करते हुए हवालात पहुंचने का काम किया है।

चलो घर चलके कुछ अपने काम निपटा लें



पीएन गर्ग : कुछ दिन चुनाव कैसे लड़ें, इसके लिए टिप्स वाली वलास लूंगा।

सिंह राज : चलो कुछ दिन मोहल्ले वालों से मिलकर अपनी सामाजिकता बढ़ाता हूं। पीएन गर्ग जी चुनाव कैसे लड़ें वाली वलास के बारे में मुझे भी बताता।

संजीव शर्मा : बहुत दिन हो गए बच्चों से मिले। झाड़वर शालीमार गार्डन छोड़ देना।

सतपाल चौधरी : कुछ दिन ऑफिस में बैठकर जरूरी काम निपटाऊंगा।

आ अब लौट चलें... : आगामी त्योहारों को देखते हुए निर्वाचन आयोग ने 13 नवंबर के चुनावों की तारीख को आगे खिसका दिया। अब पोलिंग 20 नवंबर को होगी। अचानक इतना गैप मिलने से शहर सीट के सभी उम्मीदवार अपने घर की ओर निकल गए हैं। सब अपने-अपने जरूरी काम निपटाएंगे। बड़ी हुई चुनावी तारीख ने चुनाव की गर्मी को फिलहाल ठंडा कर दिया है।

चुनावी तारीख बढ़ने के बाद बड़ी चुनौती है कायम रखना चुनावी जज्बा

करना है मैनेज क्योंकि इलेक्शन खिसक गया है आगे पूरा एक हफ्ता

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। हर चीज का एक समय होता है, हर चीज का एक जज्बा होता है और बड़ी चुनौती ये है कि कार्यकर्ताओं के बीच ये चुनाव का जज्बा कायम रहे क्योंकि चुनाव एक दिन, दो दिन, तीन दिन नहीं बल्कि पूरे एक हफ्ता आगे बढ़ गया है। अब जोश के इस दरिया को संभालकर रखना एक बड़ी चुनौती होगी। क्योंकि नीयत तारीख से आगे चुनाव बढ़ गए तो फिर हर दिन माहौल बदलता है। जोश के साथ सब लगे हुए थे और बूथ, बस्ते, जनसभा, मुलाकात सब कुछ बढ़ रहा था, लेकिन अब कुछ ऐसा हो गया कि तारीख आगे बढ़ गई। चुनावी तारीख खिसकने से सभी सियासी दलों का कार्यक्रम चेंज हुआ है। त्योहार के बाद उम्मीदवार भी उम्मीदों के साथ आए थे, लेकिन अचानक एकसपेंड हुई डेट ने पूरा माहौल ही कूल कर दिया है। चुनाव वहीं पर आकर खड़ा हो गया है जहां पहले से शुरू हुआ था अब उस जोश को बांध रखना सबसे कठिन काम है।

प्रोग्राम हो गया था फिक्स अब उठाना होगा बड़ा रिस्क

करंट क्राइम। बड़े चेहरे सभी दल बुलाते हैं और भाजपा से लेकर गठबंधन ने यही किया। सबने अपने-अपने बड़े चेहरों का प्रोग्राम 13 नवंबर के हिसाब से फिक्स कर लिया था मगर अब जब चुनाव आगे बढ़ गया है और नया कार्यक्रम नहीं मिला है तो ऐसे में सियासी दलों को रिस्क उठाना ही होगा। भाजपा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम ले लिया था। अब चुनाव की तिथि आगे बढ़ गई अब ऐसे में रोड शो के लिये समय लेना होगा। सपा मुखिया अखिलेश यादव का भी प्रोग्राम विजयनगर में होना था वो भी अब ये ट्राई करेंगे कि 15 नवंबर के बाद का रोड शो किया जाये। अब ऐसे में सभी सियासी दलों के सामने अपने पूरे चुनावी कैलेंडर को बदलने की नौबत आ गई है और बड़ा रिस्क ये है कि कार्यक्रम पहले से फिक्स है और अगला कार्यक्रम कब मिलेगा ये फिक्स नहीं।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन एवं मलेरिया

धरती के तापमान में बढ़ती रही तथा जलवायु परिवर्तन से प्राकृतिक आपदाओं की त्वरा के साथ-साथ स्वास्थ्य से संबंधित जोखिम भी बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि मलेरिया की रोकथाम के लिए हो रहे प्रयासों के लिए जलवायु परिवर्तन एक खतरा बनाता जा रहा है। भारत समेत दुनिया के अधिकतर देशों में मलेरिया एक बड़ी चुनौती है। वातावरण का तापमान और उमस बढ़ने तथा अनियमित बरसात या अतिवृष्टि आदि से मलेरिया का कारण बनने वाले मच्छरों के व्यवहार और वृद्धि पर असर पड़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, अपेक्षाकृत अधिक गर्मी मच्छर के भीतर मलेरिया परजीवी के विकास तथा संवरण की संभावना को बढ़ा सकती है। अनियमित बारिश और नमी से मच्छरों को पैदा होने के अनुकूल वातावरण मिल सकते हैं तथा उन्हें प्रजनन के लिए जगह मिल सकती है। ऐसी स्थिति में मलेरिया के मामले बढ़ने की आशंका बढ़ जायेगी। एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि जलवायु परिवर्तन से जहां कई स्थानों पर मलेरिया के मामले बढ़ सकते हैं, वहीं दूसरी ओर ऐसी जगहों पर यह बीमारी वापस भी आ सकती है, जहां से इसका उन्मूलन हो चुका है। इससे स्वास्थ्य सेवा पर बोझ बहुत बढ़ सकता है और मलेरिया की रोकथाम के लिए अब तक हुए प्रयास एवं उपलब्धियां का मतलब नहीं रह जायेगा। भारत के लिए यह बड़ी चुनौती है। देश की लगभग 95 प्रतिशत आबादी मलेरिया-प्रभावित क्षेत्रों में वास करती है। हमारे यहां 80 प्रतिशत मामले उन जगहों से आते हैं, जहां जनसंख्या का 20 प्रतिशत हिस्सा रहता है। ये जगहें आदिवासी, पहाड़ी, दुर्गम और दूर-दराज के क्षेत्र हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में दुनिया के 96 प्रतिशत मलेरिया के मामले केवल 29 देशों में दर्ज किये गये थे। भारत में 1.7 प्रतिशत मामले थे और मौतों में 1.2 प्रतिशत का हिस्सा था। अगर दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र को देखें, अनुमानित मामलों में 83 प्रतिशत तथा मौतों में 82 प्रतिशत की हिस्सेदारी भारत की थी। दर्ज मामलों में इस क्षेत्र में भारत का हिस्सा 36.4 प्रतिशत था। अनुमानित और दर्ज मामलों के अंकड़ों में इस अंतर का कारण कोरोना महामारी से उत्पन्न स्थितियां हैं, फिर भी कोशिश की जानी चाहिए कि हर मामला दर्ज किया जाए। निश्चित रूप से दो दशक से मलेरिया की रोकथाम में उल्लेखनीय सफलता मिली है, फिर भी यह गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। जलवायु परिवर्तन इसे खतरनाक दिशा मुहैया करा सकता है। हमें इस पर भी ध्यान देना चाहिए कि मलेरिया की जांच और उपचार की सुविधाओं का विस्तार हो। बहुत सी मौतें समय पर जांच नहीं होने और उपचार न मिलने के कारण होती हैं।

हिंडन

एक स्वच्छ नदी की ओर सामूहिक प्रयास आवश्यक



गजियाबाद, करंट क्राइम। हिंडन नदी, जो गजियाबाद समेत कई जिलों से होकर बहती है, आज गंभीर प्रदूषण का सामना कर रही है। नदियों का संरक्षण न केवल पर्यावरणीय आवश्यकता है बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक उत्तरदायित्व भी है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के पुनरुद्धार के लिए 2015 में भारत सरकार ने 'नमामि गंगे' कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसमें प्रमुख सहायक नदियों जैसे हिंडन को स्वच्छ और संरक्षित करने की जिम्मेदारी भी शामिल है। गजियाबाद में उत्थान समिति द्वारा आयोजित हिंडन महोत्सव इसी उद्देश्य से हर वर्ष आयोजित किया जाता है। इस महोत्सव में बच्चों, युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों को जागरूक करने के लिए पेंटिंग प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, और स्वच्छता अभियान जैसे विभिन्न कार्यक्रम शामिल हैं।

छात्रों को नदी की मौजूदा स्थिति और इसे प्रदूषण मुक्त बनाने के महत्व के बारे में बताया जाता है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों के माध्यम से उनके परिवारों और समुदाय में भी यह संदेश पहुंचाना है।

2. पेंटिंग प्रतियोगिताएं: महोत्सव में बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जहां वे अपनी रचनात्मकता से नदी संरक्षण का संदेश देते हैं। ये प्रतियोगिताएं न केवल बच्चों में जागरूकता फैलाने में मददगार हैं, बल्कि उनके चित्रों के माध्यम से समाज को भी एक सकारात्मक संदेश मिलता है।

3. सांस्कृतिक कार्यक्रम: बच्चों और स्थानीय कलाकारों के नाटक, गीत, नृत्य और कविताओं के माध्यम से नदी संरक्षण का संदेश दिया जाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम आम जनता को मनोरंजक तरीके से जोड़ने और संदेश को गहराई तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है।

प्रदूषण नियंत्रण के अन्य उपाय
हिंडन नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए अन्य उपायों में कारखानों के दूषित जल का प्रवाह रोकना, रैन वाटर हार्वीस्टिंग और वृक्षारोपण शामिल हैं।

1. कारखानों का दूषित जल: हिंडन में प्रदूषण का एक बड़ा कारण कारखानों का दूषित जल है। इसके लिए सरकार और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सख्त नियम लागू करने चाहिए और सभी कारखानों को जल शोधन संयंत्र स्थापित करने के निर्देश देने चाहिए। इस पानी के शोधन और प्रबंधन के लिए प्रभावी कदम उठाना जरूरी है, ताकि नदी में बिना शोधन के कोई भी दूषित जल न जाए।

2. रैन वाटर हार्वीस्टिंग: वर्षा जल संवयन से भूजल स्तर में सुधार होता है और पानी की उपलब्धता बढ़ती है। लोगों को रैन वाटर

हार्वीस्टिंग की प्रणाली स्थापित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए, ताकि वे जल संरक्षण में योगदान दे सकें।

3. वृक्षारोपण: हिंडन के किनारों पर वृक्षारोपण से मिट्टी का कटाव रुकता है और प्रदूषण का प्रभाव भी कम होता है। पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और वातावरण को शुद्ध करते हैं। इस उद्देश्य के लिए वृक्षारोपण अभियान चलाना और स्कूलों एवं गैर-सरकारी संगठनों को इसमें शामिल करना आवश्यक है।

जन जागरूकता कैसे बढ़ाई जा सकती है?
हिंडन को प्रदूषण मुक्त करने के लिए जन जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। इसके लिए कई तरीके अपनाए जा सकते हैं:

1. सोशल मीडिया अभियान: सोशल मीडिया के जरिए व्यापक जनसमूह तक पहुंचा जा सकता है। हिंडन की स्थिति, उसके संरक्षण के उपायों और समाज के योगदान पर आधारित वीडियो, ग्राफिक्स और पोस्टर साझा किए जा सकते हैं।

2. सामाजिक आयोजन: स्थानीय मेलों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कार्यशालाओं के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा सकता है। ऐसे कार्यक्रमों में लोगों को हिंडन की समस्या से अवगत कराया जा सकता है और वे भी इस मिशन का हिस्सा बन सकते हैं।

3. स्वयंसेवकों का योगदान: स्थानीय समाज के हर वर्ग से स्वयंसेवकों की टीम बनाकर, वे विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को जागरूक कर सकते हैं। नुककड़ नाटक, पोस्टर वितरण और वर्कशॉप के माध्यम से भी लोग जागरूक हो सकते हैं।

'नमामि गंगे' और सरकारी योजनाएं
गंगा और उसकी सहायक नदियों के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कई पहल की गई हैं, जिसमें नमामि गंगे मिशन का विशेष योगदान है। प्रदूषण नियंत्रण और घाटों का विकास, ग्रामीण स्वच्छता, वनस्थलियों और जीवों का संरक्षण, और मानव संसाधन प्रबंधन जैसे पहलुओं पर भी कार्य किए जा रहे हैं। इस मिशन के तहत, तकनीकी सहयोग, वित्तीय प्रबंधन, और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर दिया जा रहा है ताकि नदियों को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाया जा सके।

यर्ड पार्टी सोशल ऑडिट की अनिवार्यता
हिंडन नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए चल रहे कार्यों की गुणवत्ता और प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए यर्ड पार्टी सोशल ऑडिट आवश्यक है। यह ऑडिट न केवल गतिविधियों की निगरानी करता है बल्कि सभी कार्यों की पारदर्शिता और प्रभावशीलता को भी बढ़ाता है। सोशल ऑडिट से समाज को इस परियोजना की वास्तविक स्थिति की जानकारी मिलती है और इसे सफलता के करीब लाने के लिए जरूरी सुधार किए जा सकते हैं।

निष्कर्ष: हिंडन को प्रदूषण मुक्त बनाना एक सामूहिक प्रयास की मांग करता है। सरकार, समाज, गैर-सरकारी संगठन, और हर व्यक्ति का योगदान इस दिशा में महत्वपूर्ण है। उत्थान समिति ने इस प्रयास में एक अहम भूमिका निभाई है, परंतु इसे व्यापक बनाने के लिए इसे समाज के हर वर्ग में फैलाना आवश्यक है। एक स्वच्छ और स्वस्थ हिंडन न केवल पर्यावरण की दृष्टि से, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी आवश्यक है।

SPECIAL WISHES दैनिक करंट क्राइम

Rajkumar Singh 12h •
निवर्तमान पार्षद मधु सिंह जी को जन्मदिवस पर हार्दिक ब... See more

गजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व पार्षद मधु सिंह को उनके जन्मदिन पर राजकुमार सिंह ने बधाई शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और लंबी आयु की कामना की। परमपिता परमेश्वर से मधु सिंह के खुशहाल जीवन की स्पेशल कामना की।

वस्तुओं पर भारत का उपभोक्ता खर्च अगले पांच वर्षों में 7 प्रतिशत बढ़ जाएगा : रिपोर्ट
नई दिल्ली। वस्तुओं पर भारत का उपभोक्ता खर्च तेजी से बढ़ रहा है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष उपभोक्ता वस्तुओं पर खर्च 1.29 ट्रिलियन डॉलर होगा और अगले पांच वर्षों में इसके 7.5 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। इलेक्ट्रॉनिक्स में भारत का विस्तार अब तक असेंबली-टू-कंपोनेट रणनीति के साथ होता आ रहा है। इसमें स्मार्टफोन और नेटवर्क से जुड़े दूसरे उपकरणों के निर्माण में निवेश आकर्षित करने के लिए टैरिफ और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों का उपयोग किया जाता है। एस्परेडो ग्लोबल मार्केट इंटेल्जेंस के नवीनतम पूर्वानुमान के अनुसार, भारतीय बाजार में बिक्री के बढ़ते अवसरों ने इन मार्केट फोर मार्केट के साथ देश में विनिर्माण में निवेश को सही ठहराने में मदद की है।

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्क्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्सियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

दैनिक करंट क्राइम
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए जी। एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपाकार कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार संरक्षक : राकेश यादव, समाचार संपादक दीपक भाटी विवेक भाटी

राशिफल

मेष : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें।
वृष : संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें।
मिथुन : जीवनसाथी का कार्यों में सहयोग मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। अनुकूल समाचार आएंगे। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे।
कर्क : क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दुःखद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें।
सिंह : मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा।
कन्या : मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें।
तुला : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोकुल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।
वृश्चिक : वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें।
धनु : नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी।
मकर : नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा।
कुंभ : कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें।
मीन : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है।

चुटकुले

किसी आदमी ने अपने एक मित्र को दावत दी, सारा खाना वही खा गया। घर वाले भूखे रह गए। पांच साल का बबलू तो भूख के मारे रो पड़ा।
उसकी मां ने कहा- बेटा मेहमान को जाने दो, सारे मिलकर रोएंगे, तुम अकेले क्यों रोते हो?

पत्नी (रसोई से निकलते हुए)- सुनिए, आजकल मैं बहुत खूबसूरत होती जा रही हूँ।
पति - तुमने कैसे जाना?
पत्नी - देखो न, आजकल मेरी सुंदरता को देखकर रोटियां भी जलने लगी है।

रोचक तथ्यों का करंट

क्या आप जानते हैं ? जब शेर बाघों से ड्रीड करते हैं, तो उसके परिणामस्वरूप हाइड्रिड को लाइगर और टाइगर कहा जाता है। यहाँ शेर और तेंदुए के हाइब्रिड भी हैं, जिन्हें लेपन्स के रूप में जाना जाता है और शेर और जगुआर हाइब्रिड, जिन्हें जेगलंस कहा जाता है।
अफ्रीकी शेर बड़े जानवरों को खाते हैं जो की घास के मैदानों में पाए जाते हैं, जिनमें हिरन, जेबरा और अजीत तरह के प्रणी शामिल हैं।
आपको जानकर हैरानी होगी की साल 2002 में, संरक्षणवादी लोगों के आश्रय की बात है, एक शेरनी एक हिरन के बच्चे को गोद लेती है और उसे बचाती है! हालांकि, दो हफ्ते बाद, एक नर शेर ने बच्चे को खा डाला, जब शेरनी सोयी हुई थी। आश्चर्य की बात यह है की शेरनी को बहुत ही दुःख के साथ घूमते देखा गया था और वह क्रोध में दहाड़ते हुए घूमते देखी जा सकती थी।
क्या आप जानते हैं ? बड़े भोजन के बाद, एक नर शेर 24 घंटे तक सो सकते हैं।
केवल 8 में से 1 पुरुष शेर वयस्कता होने तक जीवित रहते हैं। अधिकांश शेर लगभग 2 वर्ष की आयु के आसपास उनके झुण्ड से बाहर निकाल दिए जाने के तुरंत बाद मर जाते हैं!

05 11 2024 करंट क्राइम

आज के जन्मदिन परिवार की ओर से आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

मोहित अरोड़ा (भाजपा नेता)

सेलेब्रिटी जन्मदिन

विराट कोहली क्रिकेटर

बिरजू पंडित

विवेक तोमर, सुशांत गोयल (कांग्रेस नेता)

धानी चड्ढा, इरम सैफी, रुबी, जय श्री सिन्हा, संतोष देवी, मोहित बंसल, शाहद, गगन कुमार, श्रीप्रकाश गुप्ता, अमित अरोड़ा, दिनेश सेठी, डॉ. दीपक चतरथ, विकास त्यागी, अभिषेक सक्सेना, अभिषेक पांचाल, इशु शर्मा, कुलदीप प्रजापति, कुंवर पाल सिंह चौधरी, त्रिभुवन मलिक, पंकज सोम, सचिन मिश्रा, उमेश प्रधान, हेमंत जैन, चौ. अंकुर तेवतिया, दीपक यादव, मौ. जुल्फकार त्यागी, वाईपी सिंह, अवंशी तिवारी, दिनेश, मनोज कसाना, मोनू सिंह, नीरज जायसवाल, पीयूष गौर, सुमित पाल

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

दैनिक करंट क्राइम पर जमकर शेयर की भाई-बहन ने भाई दूज की बधाइयां



परिवार के साथ मोहित कौशिक



भाई अजय ग़ोवर बहन अंजलि ग़ोवर

भाई आरव त्यागी बहन अविका त्यागी

परिवार के साथ अनिल



बहन के साथ देवाशीष दत्त

दीपक, संघ्या और खुशबू

गिरिजा ढींगरा और मुकुंद ढींगरा

ध्रुव, पलक और संभव

डॉ. जयश्री सिन्हा और भाई उमेश प्रसाद

ईशिका कौशिक भाई आरव कौशिक

ज्योति और सोनल



ज्योति और ध्रुविका

कमल और बहन बीना

कपिल पंडित



महिमा और टुकटुक

मायरा और आरव



शिवम सिंह एवं विशाल सिंह

शैली, आशू, दृष्टि, नाया, अधिक

संजय चौहान

सलोनी और टुकटुक

रिशांत और पूजा



राधिका चौहान और प्रदीप चौहान

रीता चौहान और उपेंद्र सिसौदिया

राधा और प्रवीण बत्रा

पुरुषोत्तम चौहान और रिया चौहान

निधि विश्वकर्मा

बहन के साथ नीरज त्यागी



नेहा त्यागी, अनुज त्यागी, ईशा

नक्श और कीर्ति

प्रवीण शर्मा बहन अनीता शर्मा

मायरा और भाई अयान

मायरा और भाई शौर्य

मायरा और भाई शौर्य

मंदिर पर हुए हमले को लेकर कनाडाई पत्रकार का फूटा गुस्सा, कहा- पुलिस ने खालिस्तानियों की मदद की

ओटेवा। कनाडा और भारत के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस बार हिंदू मंदिर पर हुए हमले को लेकर विवाद छिड़ गया है। कनाडाई पत्रकार डेनियल बोर्डमैन ने प्रशासन के स्थिति से निपटने के तरीके की निंदा करते हुए उन पर खालिस्तानी समूहों के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो की आलोचना कर कहा कि वे केवल 'बाते' कर रहे हैं, लेकिन इस दिशा में काम नहीं कर रहे हैं। साथ ही यह चेतावनी भी दी कि अगर एक और साल तक वे पद पर बने रहे तो स्थिति और भी बदतर होगी। इसके अलावा, उन्होंने पुलिस पर भी निशाना साधा। कहा कि पुलिस की कार्रवाई बहुत ही घुगुगु थी और उन्होंने खालिस्तानियों की मदद की है।



निशाना बनाया गया। रविवार को ये घटना हुई, जब एक समूह ने यहां पूजा पाठ के लिए आए लोगों पर हमला कर दिया था। इस घटना की जो तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, उसमें हिंदू सभा मंदिर के बाहर कुछ लोगों को लाठी-डंडों से हमला करते हुए देखा जा सकता है। इस घटना ने इलाके में तनाव बढ़ा दिया, जिसके कारण कनाडाई

पुलिस को बड़ी संख्या में कर्मियों को तैनात करना पड़ा। 'टूडो केवल बातें कर रहे' बोर्डमैन ने कहा कि प्रधानमंत्री टूडो केवल बातें कर रहे हैं, लेकिन इस दिशा में काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि टूडो के

घटना को रोका जाना चाहिए था: पत्रकार

बोर्डमैन ने दिन दहाड़े हुए हमले को लेकर कहा कि कनाडा में पहले भी धार्मिक स्थलों जैसे कि सभाओं और चर्चों को निशाना बनाया गया है, लेकिन हाल ही घटना हिंदू भक्तों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि को दर्शाती है। उन्होंने कहा, 'यह इस देश में भक्तों पर पहला दिनदहाड़े हमला है। इस घटना को रोका जाना चाहिए था।'

लगभग एक और वर्ष के लिए कार्यालय में होने पर स्थिति केवल बदतर होती जा रही है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई बहुत ही घुगुगु थी और उन्होंने खालिस्तानियों की मदद की है। हिंदुओं पर हमला किया गया। उन्होंने खालिस्तानियों को नहीं हटाया। खालिस्तानियों ने हिंदुओं पर उनके अपने मंदिर में हमला किया।

भी धार्मिक स्थलों जैसे कि सभाओं और चर्चों को निशाना बनाया गया है, लेकिन हाल ही घटना हिंदू भक्तों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि को दर्शाती है। उन्होंने कहा, 'यह इस देश में भक्तों पर पहला दिनदहाड़े हमला है। इस घटना को रोका जाना चाहिए था।'

ब्रैम्पटन के मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों के हमले से रोष, पीएम टूडो बोले- हिंसा अस्वीकार

ब्रैम्पटन। कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में श्रद्धालुओं पर कथित खालिस्तानी समर्थकों ने हमला किया। जिस समय वारदात को अंजाम दिया गया उस समय परिसर में महिलाएं-बच्चे भी मौजूद थे। खबरों के मुताबिक मंदिर में मौजूद महिलाओं और बच्चों पर भी हमला हुआ है। इस घटना से भारत-कनाडा संबंधों में तनाव और बढ़ सकता है। हालात तनावपूर्ण होने के बाद स्थानीय पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षाबलों को तैनात किया। पुलिस ने आख्यकत किया है कि किसी भी तरह की हिंसा को रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा बंदोबस्त किए गए हैं।



अस्था का पालन करने का अधिकार है। प्रधानमंत्री के अलावा कनाडा की संसद में विपक्षी नेता पियरे पोलोएवर, सांसद केविन वूंग और चंद्रा आर्य ने भी घटना की निंदा की। उन्होंने इस घटना को अस्वीकार्य और खतरनाक चरमपथ बताया।

हुए उन्होंने कहा कि खालिस्तानी उग्रवाद कनाडा में हिंसक रूप ले चुका है। स्वतंत्रता के नाम पर ऐसे तत्वों को 'मुक्ति' मिल रही है। आर्य ने हिंदू-कनाडाई समुदाय से अपनी सुरक्षा के लिए आवाज उठाने और ऐसी घटनाओं के लिए नेताओं को जवाबदेह ठहराने की अपील भी की।

प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने घटना की निंदा की

इस घटना के बाद प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने इस हिंसा की निंदा की। उन्होंने हिंसक वारदात को अस्वीकार्य बताया और कहा कि सभा कनाडाई नागरिकों को सुरक्षित तरीके से अपनी

महिलाओं और बच्चों पर भी हमला किया गया

ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में खालिस्तानी चरमपंथियों के हमले की कड़ी निंदा करते हुए कनाडाई संसद में विपक्ष के नेता पियरे पोलोएवर ने इस घटना को 'पुरी तरह अस्वीकार्य' बताया। उन्होंने कहा कि सभा कनाडाई नागरिकों के लिए शांति से अपने धर्म का पालन करने का अधिकार जरूरी है। टोरंटो के सांसद केविन वूंग ने भी इस घटना की निंदा की। उन्होंने ब्रैम्पटन की घटना को कनाडा में चरमपंथियों को कथित तौर पर मिल रहे 'सुरक्षित ठिकाने' से जोड़ा।

जयशंकर ने ब्रिसेबेन में किया नए भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन, महात्मा गांधी की श्रद्धांजलि

ब्रिसेबेन। विदेश मंत्री एस जयशंकर फिलाहाल पांच दिवसीय यात्रा पर ऑस्ट्रेलिया में हैं। उन्होंने सोमवार यानी आज ब्रिसेबेन के रोमा स्ट्रीट पार्कलैंड्स में महात्मा गांधी की श्रद्धांजलि दी। साथ ही भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन भी किया।



जयशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि गांधी के आदर्श दुनिया भर में गूंजते रहते हैं। उन्होंने एक्स पर कहा, 'आज सुबह ब्रिसेबेन के रोमा स्ट्रीट पार्कलैंड्स में महात्मा गांधी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शांति और सद्भाव का उनका संदेश दुनिया भर में गूंजता है।'

दूतावास का औपचारिक रूप से उद्घाटन करते हुए मुझे खुशी हो रही है। यह क्वींसलैंड राज्य के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने, व्यापार को बढ़ावा देने, शैक्षिक संबंधों को बढ़ावा देने और प्रवासी समुदाय की सेवा करने में योगदान देगा। उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए

छह महीने बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटे चीनी अंतरिक्ष यात्री, कामयाब रहा चीन का मिशन शेनझोउ

बीजिंग। पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष केंद्र बना रहे चीन को अपने मिशन शेनझोउ 18 में बड़ी कामयाबी मिली है। चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना शेनझोउ-18 के तहत अंतरिक्ष में गए तीन अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौटे आए हैं। चीन की मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएएमएसए) के मुताबिक चीन के अंतरिक्ष यान शेनझोउ-18 का कैप्सूल तीनों अंतरिक्ष यात्री कमांडर ये गुआंगफू, ली कांग और ली गुआंगसु को लेकर बीजिंग समायानुसार सुबह 1.24 बजे उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया के डोंगफेंग में सुरक्षित उतरा। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी के मुताबिक तीनों अंतरिक्ष यात्री 192 तक दिन तक निचली कक्षा में रहे और



उसका शेनझोउ-18 मानवयुक्त मिशन सफल रहा। इसके साथ ही मिशन के कमांडर ये गुआंगफू ने भी नया रिकॉर्ड कायम किया है। वह एक वर्ष से अधिक समय तक अंतरिक्ष में रहने वाले पहले चीनी अंतरिक्ष यात्री बन

गुआंगसु ने बताया कि मिशन के दौरान उन्होंने दो प्रकार के पौधे उगाए। इसमें चेरी टमाटर और सलाद पत्ता शामिल रहे। उन्होंने भोजन के लिए कुछ सलाद पत्ते भी एकत्र किए थे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अंतरिक्ष में ताजी सब्जियां खाना एक वरदान है। हरे पौधों ने हमारे व्यस्त काम में भी हरियाली और खुशियां बिखेरीं।

अप्रैल में भेजा था मानव युक्त मिशन : चीन ने अपने मानव युक्त मिशन शेनझोउ 18 को इस साल अप्रैल

में लॉन्च किया था। इस मिशन के दौरान शेनझोउ-18 चालक दल ने वैज्ञानिक प्रयोग कैबिनेट और अतिरिक्त पेलोड का उपयोग सूक्ष्मगुरुत्व, अंतरिक्ष पदार्थ विज्ञान, अंतरिक्ष जीवन विज्ञान, अंतरिक्ष चिकित्सा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में बुनियादी भौतिकी के क्षेत्रों में दर्जनों प्रयोग करने के लिए किया। तीनों की तीन अन्य चीनी अंतरिक्ष यात्रियों ने मदद भी की। चीन हर छह महीने में अपने चालक दल को बदल देता है।

श्री थानेदार का दावा- ट्रंप भारत और अमेरिका के लिए अच्छे नहीं; हेली बोलीं- हैरिस से बेहतर पूर्व राष्ट्रपति

वॉशिंगटन। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। ऐसे में, डेमोक्रेटिक की ओर से कमला हैरिस और रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप चुनावी मैदान में हैं। दोनों ही उम्मीदवार आखिरी कुछ घंटों में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वहीं, इनके समर्थकों में भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। भारतीय अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने ट्रंप के राष्ट्रपति बनने की संभावनाओं के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप तानाशाह बनना चाहते हैं। साथ ही उनका सत्ता में आना भारत के साथ संबंधों के लिए अच्छा नहीं होगा। हालांकि, पूर्व राजदूत निक्की हेली ने रिपब्लिकन उम्मीदवार का पक्ष लिया। कहा कि हैरिस की तुलना में पूर्व राष्ट्रपति बेहतर विकल्प हैं।



भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने पूर्व राष्ट्रपति द्वारा पिछले चुनाव परिणामों से इनकार करने और भारत-अमेरिका संबंधों पर उनके

प्रतिबंधों के संभावित प्रभाव पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, उन्होंने आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में भारतीय-



अमेरिकी वोट के महत्व पर बात की, जबकि मिशिगन जैसे महत्वपूर्ण स्वयं राज्य में कमला हैरिस के लिए बढ़ते समर्थन का उल्लेख किया।

ट्रंप ने कई समूहों का अपमान किया
2016 के चुनावों के दौरान मिशिगन में ट्रंप की जीत ने इसे एक महत्वपूर्ण युद्ध का मैदान बना दिया। हम विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यक समूहों के बीच हैरिस की ओर झुकाव देख रहे हैं। ट्रंप ने इनमें से कई समूहों का अपमान किया है, जिसके कारण कुछ लोग पलायन कर रहे हैं।

ट्रंप ने कई समूहों का अपमान किया
2016 के चुनावों के दौरान मिशिगन में ट्रंप की जीत ने इसे एक महत्वपूर्ण युद्ध का मैदान बना दिया। हम विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यक समूहों के बीच हैरिस की ओर झुकाव देख रहे हैं। ट्रंप ने इनमें से कई समूहों का अपमान किया है, जिसके कारण कुछ लोग पलायन कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय-अमेरिकी

समुदाय के भीतर विविधता पर प्रकाश डाला, जो आम तौर पर डेमोक्रेट झुकाव रखते हैं, सामाजिक, आर्थिक और आरक्षण मामलों पर अलग-अलग विचार रखते हैं। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के मतदान पैटर्न पर बोलते हुए, अमेरिकी सांसद ने कहा कि हालांकि समुदाय डेमोक्रेट की ओर झुकाव रखता है, लेकिन वे सामाजिक, आर्थिक और आरक्षण मुद्दों पर विभिन्न दृष्टिकोणों वाले एक विविध समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जबकि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस लोकतंत्र समर्थक और महिला अधिकारों की समर्थक हैं। वहीं ट्रंप ने अप्रवासीयों के खिलाफ विवादस्पद टिप्पणी की है और धनी कॉरपोरेट्स का पक्ष लिया है।

हिंदुओं पर खालिस्तानियों के हमले से भारत-कनाडा में बढ़ा तनाव

ओटावा। कनाडा में हिंदू समुदाय के लोगों को मंदिर के बाहर खालिस्तानियों द्वारा निशाना बनाए जाने से भारत और कनाडा के रिश्तों में जारी तनाव और बढ़ सकता है। कनाडा स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस मुद्दे को लेकर बयान जारी किया है और कनाडा की सरकार के सामने नाराजगी जाहिर की है। इस बयान में भारतीय उच्चायोग ने कनाडा की सरकार से चरमपंथी खालिस्तानियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बयान में कही गईं ये बातें उच्चायोग की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि 'पूर्व के वर्षों की तरह भारतीय उच्चायोग और वैक्यूअर और टोरंटो के महावाणिज्य दूतावासों की तरफ से ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में काउंसुलर कैम्प का आयोजन किया गया था।

हमारे पड़ोसी मुल्क का शहर दुनिया में सबसे प्रदूषित एक्वआई पहुंचा 1900, स्कूल बंद रखने का आदेश

लाहौर। भारत के कई शहर इन दिनों वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रहे हैं। भारत में अक्सर दिवाली पर छूटने वाले पटाखों को वायु प्रदूषण का कारण बताया जाता है, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा शहर लाहौर है, जहां शनिवार को एक्वआई का स्तर 1900 पहुंच गया। आईक्यू एयर ने यह आंकड़े जारी किए हैं, जिनमें रियल टाइम के आधार पर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों के नामों का खुलासा किया गया है।



लाहौर में स्कूल-कॉलेज बंद रखने का आदेश जारी
आईक्यू एयर ने यह आंकड़े जारी किए हैं, जिनमें रियल टाइम के आधार पर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर का नाम का खुलासा किया गया है। भारत-पाकिस्तान सीमा पर प्रदूषण का स्तर सबसे ज्यादा पाया गया है। हालात को देखते हुए लाहौर प्रशासन ने कर्मचारियों का घर से काम करना

अनिवार्य कर दिया है और साथ ही सभी स्कूल-कॉलेज बंद करने का आदेश जारी किया है। सरकार ने प्रार्थमिक विद्यालय एक हफ्ते तक बंद करने का आदेश दिया है और साथ ही सभी लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी गई है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी।

चीनी युवा विवाह से दूर भाग रहे, आबादी बढ़ाने के सरकारी उपाय नाकाम; जनसंख्या चिंता का सबब

बीजिंग। चीन इन दिनों में जनसंख्या की कमी से जूझ रहा है। जनसंख्या की कमी से निपटारे के लिए चीनी सरकार का आबादी बढ़ाने का कोई भी उपाय कारगर साबित नहीं हो रहा है। चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय के शुक्रवार को जारी नवीनतम आधिकारिक आंकड़े इसका सुबूते देते हैं। इनके मुताबिक, 2024 के पहले नौ महीनों में मैरिज रजिस्ट्रेशन में खासी गिरावट दर्ज की है।



चीनी नागरिक मामलों के मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि 2024 में चीन में पहले से कम लोग शादी कर रहे हैं। यहां जनवरी से सितंबर 2024 के बीच लगभग 4.747 मिलियन जोड़ों ने अपनी शादियां दर्ज करवाईं। शादियों की रजिस्ट्रेशन का यह आंकड़ा 2023 के इन महीनों के दौरान हुए रजिस्ट्रेशन से 943,000 कम है।

2023 के पहले नौ महीनों में लगभग 5.69 मिलियन जोड़ों ने शादी की थी, जो 2022 से अधिक थी। इस

शुक्रवार को शुरूआत में, चीन ने लगातार दूसरे साल जन्म दर में गिरावट की रिपोर्ट दी। इसी वजह से सरकार ने बड़े शहरों में ऐसी परियोजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए जो युवाओं को शादी करने और बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसका उद्देश्य परिवार बढ़ाने के लिए एक अधिक सहायक माहौल बनाना और बच्चों के जन्म को आकर्षक बनाने वाली संस्कृति को बढ़ावा देना है।

क्योंकि वे अपने भविष्य, नौकरी की सुरक्षा और बढ़ती जीवन लागत को लेकर चिंतित हैं। इस स्थिति ने सरकार के लिए लोगों को बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करना मुश्किल बना दिया है। इसे सुधारने के लिए चीनी सरकार ने हाल ही में कानून में संशोधन कर शादियों का पंजीकरण आसान और तलाक लेना मुश्किल बना दिया है।

जिला प्रशासन एवं जिला गंगा संरक्षण समिति ने आयोजित किया गंगा उत्सव-2024

पर्यावरण, जल, नदी आदि की सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी : इन्द्र विक्रम सिंह



गाजियाबाद, करंट क्राइम। गंगा नदी को राष्ट्रीय नदी घोषित किये जाने के उपरान्त नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन एवं जिला गंगा संरक्षण समिति द्वारा शासन के दिशानिर्देशों के क्रम में गंगा उत्सव-2024 कार्यक्रम हिन्दी भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चित्रकला व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने धीरे प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम आयोजनकर्ताओं द्वारा जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह, डीएफओ ईशा तिवारी, सिविल डिफेंस चीफ वार्डन ललित जायसवाल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने जनसभा को सम्बोधित किया।



किसी भी वस्तु का उपयोग आवश्यकतानुसार किया जाना चाहिए : जिलाधिकारी

करंट क्राइम। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने सर्वप्रथम पुराणों के अनुसार मां गंगा के पृथ्वी पर अवतरण की संक्षिप्त कथा सभी को सुनाई। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा जरूरत के अनुसार ही किसी भी चीज का उपयोग/प्रयोग करना चाहिए। जरूरत से ज्यादा करने पर वह हम सभी के लिए नुकसानदायी है। पहले के लोग तालाब, नदी आदि जगहों पर स्नान करते थे, धीरे-धीरे लोग अपने घरों में आ गये क्योंकि कुछ लोगों की गलत आदतों के कारण तालाब, नदी गंदे हो गये हैं, जिस कारण वहां स्नान कर पाना मुश्किल है। वर्तमान में हम लोग घरों में भी सावर (फव्वारा), बाथटब आदि या अत्यधिक पानी का उपयोग कर नहाने एवं अन्य कार्य करते हैं। इसी प्रकार जल का दुरुपयोग होता रहा तो आने वाले समय में अपने बच्चों को पानी सिर्फ पीने लायक ही बचेगा। अतः जल का कम से कम या आवश्यकतानुसार ही उपयोग करें। यदि कोई व्यक्ति सोचता है कि उसके करने से क्या होगा तो यह गलत सोच है, उसे देखा-देख और भी करे। इसलिए पहले आप स्वयं को सुधारें, तभी तुम्हें देख जल सुधरेगा। हमें पर्यावरण सहित अन्य जागरूकता के कार्यों को जमीनी स्तर पर जरूर करना चाहिए। जिलाधिकारी ने अनेक प्रकार से सभी को पर्यावरण, जल, नदी आदि के बारे में जागरूक करने हेतु अनेक प्रकार के विशेष बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया। जिलाधिकारी ने कहा कि हम सभी को 10-10 लोगों को उक्त सभी विषयों पर जागरूक करना चाहिए। यदि हम सभी लोग जागरूक हो जायेंगे तो वह दिन दूर ही कि हमारी धरती स्वर्ग से भी सुन्दर हो जायेगी।



महापर्व दीपावली के बाद छठ पूजा की तैयारी में जुटा नगर निगम

व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए नगर आयुक्त विक्रमदित्य सिंह मलिक ने अधिकारियों की लगाई ड्यूटी



गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत आने वाले छठ घाट/स्थलों पर नगर आयुक्त विक्रमदित्य सिंह मलिक के निर्देशानुसार व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने में निगम अधिकारी जुटे हुए हैं। लगभग 70 से अधिक छठ घाटों की रंगाई-पुनाई का कार्य, मरम्मत का कार्य, प्रकाश व्यवस्था का कार्य, पेयजल की व्यवस्था का कार्य प्रमुखता से कराया जा रहा है, मौके पर अधिकारी भी अपने-अपने कार्य क्षेत्र में निरंतर जायजा ले रहे हैं।

निर्माण, स्वास्थ्य, जलकल तथा प्रकाश निरंतर छठ घाटों पर पुख्ता करें इंतजाम : नगर आयुक्त



अपर नगर आयुक्त अर्जुन कुमार ने बताया कि नगर आयुक्त के निर्देशानुसार सभी छठ घाटों पर व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए टीम लगी हुई है। जो नगर विभाग के अनुसार व्यवस्था को बनाए रखने के लिए ड्यूटी भी लगाई गई है। समस्त जल निकाय प्रभारी भी अपने-अपने जोन में सभी घाटों पर नजर बनाए रखेंगे। समस्त जोन में अधिशासी अभियंता निर्माण, सहायक अभियंता निर्माण, अधिशासी अभियंता जल, अवर अभियंता जल तथा प्रकाश प्रभारी व

सह प्रकाश प्रभारी भी सभी घाटों पर व्यवस्थाओं को देखेंगे, निर्देश जारी किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के सफाई निरीक्षक अपने-अपने जोन में घाटों की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करेंगे निर्देश दिए गए हैं। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा दीपावली महापर्व पर शहर हित में बेहतर कार्य किया है जिसकी

प्रशंसा क्षेत्रीय पार्षदों जनप्रतिनिधियों तथा निवासियों ने की है। इसके अलावा छठ पूजा की तैयारी में भी बेहतर कार्य गाजियाबाद नगर निगम के विभागों द्वारा किया जा रहा है। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमदित्य सिंह मलिक की नेतृत्व में छठ पूजा सुरक्षा की दृष्टि से लगवाया गया है।



दैनिक करंट क्राइम उठते सवाल का करंट दीपक भाटी समाचार सम्पादक

क्यों कहा कहने वाले ने कि समाजवादी पार्टी में विधायक आशु मलिक का काफी मजबूत है किरदार? अखिलेश जी से बहुत उनके रिश्ते हैं जोरदार? सुना है जब चाटोड प्लेन से पूर्व मुख्यमंत्री करेगे हिंडन एयरबेस पर लैंड? तब यहां पर मलिक साहब का सबसे मजबूत रहेगा स्टैण्ड? भैया जी के साथ वो गाड़ी में बैठकर सपा नेता अभिषेक गर्ग के फॉर्म हाऊस के लिए होंगे सवार? जब गाड़ी पहुंचेगी कार्यक्रम स्थल पर तो गाड़ी से उतरते हुए उनके होंगे भैया जी के साथ ही दीवार?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मुरादनगर के एक भगवा त्यागी नेता ने दिखाया है बहुत ही बड़े वाले ज्योतिष को अपना हाथ? ये वो ज्योतिष हैं जिनसे पार्टी के बड़े-बड़े नेता और विधायक पता करते हैं अपने भविष्य के हालात? सुना है ज्योतिष ने हाथ को देखकर दे दिया है त्यागी नेता को बड़ा संदेश? कहा है आपके हिस्से में लिखा है राज-योग? कुछ ऐसे ही किरणें बिखेर रहा है आपका फेस? सुना है ज्योतिष ने लिख कर दिया है इनको आने वाला मुकाम? ना जाने कौन सी इन नेता की मुगद पूरी होनी है? ये वो तक ही बतायेगा श्रीमान?

क्यों कहा कहने वाले ने कि पूर्व एमएलसी ने पूर्व विधायक से कर दिया है स्पष्ट? कह दिया है आप ही हो जाटबंडन के उम्मीदवार के असली सारथी? आप ही को लेनी है सभी खुशियां, आप ही को झेलने हैं सभी कष्ट? कहने वाले ने कहा पूर्व विधायक को इसलिए दी गई है प्रत्याज्ञा के सारथी की उपाधि? क्योंकि इनके टिकट की इन्तोंने ही भरी थी लखनऊ में मनादी? देखना अब ये है कि उम्मीदवार किस तरह दिखाते हैं अपना चुनाव में किरदार? फिलहाल तो मामला पूर्व विधायक के दिल से पछो? उनका चेहरे की मुस्कुराहट आपको सबकुछ स्पष्ट कर देगी या?

क्यों कहा कहने वाले ने कि शर्मा एंड कंपनी के खास फोटो वाले पंडित जी के दिख रहे हैं आजकल बदले-बदले से अंजना? कभी पढ़ते थे वो पहलवान के दोस्त को लेकर दर्द-ए-दिल की शायरी? अदाज रहते थे फोटो वालों के हमेशा फायरी? मगर अब दे रहे हैं पंडित जी कुछ अलग हटके संदेश? फेसबुक पर भगवा कमांडर के जिंदाबाद के नारे लगा रहे हैं? ना जाने वो अपने किसी खास को क्या संदेश देना चाह रहे हैं? हम देख रहे हैं जबसे हुआ है कमांडर का टिकट? तब से काफी बदलाव फोटो वाले पंडित जी में आ रहे हैं?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जब निभाना है चुनाव में साथ, तो फिर क्यों करा रहे थे कराने वाले दूरियों का एहसास? कहने वाले ने कहा हम थे चौधरी साहब के बूथ सम्मेलन वाले कार्यक्रम में मौजूद? यहां पर दिखाई दे रहा था बहुत दिनों से नहीं दिखाई देने वाले चेहरों का वजूद? वैश्य नेता से लेकर पंजाबी नेता ने दिये हुए थे अपने मौके पर दीवार? दिल तो है दिल, दिल का क्या कीजिए? इस दिल का कैसे करें कोई ऐबदार?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हम थे बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में मौजूद? यहां पर कार्यकर्ताओं से प्रदेश वाले चौधरी साहब से साफ और सीधे शब्दों में कर दी एक बात स्पष्ट? करा दिया सभी को एहसास? कार्यकर्ता को दिया है हमने भाजपा का टिकट? इस शब्द से उन्होंने गिरा दिया इस पार से लेकर उस पार वाला शट? कहा अब कार्यकर्ता को आपको जितकर लाना है? ये आपकी है जिम्मेदारी, अब अपना नहीं है इसमें कोई मैट?

क्यों कहा कहने वाले ने कि प्रदेश वाले चौधरी साहब शब्दों की नाप-तोल का जानते हैं बेहतर हिसाब? हमने देखा वो अपने शब्दों से करा रहे थे कार्यक्रम में तरह-तरह के एहसास? दे रहे थे किसी को लेकर खास संदेश? बार-बार इस चोहरे को बता रहे थे वो पार्टी का बड़ा फेस? जैसे ही बड़े फेस वाली आई उनके मुख पर बात? वैसे ही इन शब्दों के साथ जोड़ दिया गया साहब? हमें उनके शब्दों को सुनकर हो रहा था खुद पर गुमान? क्योंकि गर्ग साहब से हमारी बहुत अच्छी है जान-पहचान?

क्यों कहा कहने वाले ने कि अभी भी निगम के कुछ पार्षद कर रहे हैं अनदेखी फील? सुना है पुराने जखम नहीं हुए हैं उनके अभी तक हील? सुना है ये वो ही पार्षद हैं जिन्होंने एक समय विद्रोह वाले दौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया था ताकतवर लेडी का साथ? कराया था उनसे अपनेन का एहसास? सुना है अब इन पार्षदों को झेलने पड़ रहे हैं प्रेस कॉन्फ्रेंस के साईड इफैक्ट? पता चला है साहब इनके फोन पर नहीं करते हैं कोई रिप्लाइ? ना ही संदेश पर आता है उनका कोई रिप्लाइ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि पूरे गौरव से बदल दिया है युवा चिपड़ा ने अपनी राजनीति का पैगाम? अब उन्हें दारों-बारों से ज्यादा पार्टी और खुद के लिए फोकस करना है? खत्म कर दिया है उन्होंने मामला जान तैरे नाम? सुना है हाल ही में कराने जा रहे हैं वो भगवा कमांडर के लिए बहुत बड़ा प्रोग्राम? इस प्रोग्राम से वो देंगे संदेश? युवाओं में आज भी पहले जितना मजबूत है ये फेस? कहने वाले ने कहा हमें अंदर से पता चली है ये बात? भगवा कमांडर किसी से कह रहे थे? इस युवा चोहरे के लिए आज भी मेरे हार्ट में जगह है खास?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मिस्टर छाबा को किया था ठाकुर साहब ने फोन? कहा था हम तो आपको लेकर हमेशा राइट रहते थे? मगर आपनो तो कर दिया इस बार हमको रॉन्ग? आपने भी अपने होर्डिंग से दूर कर दिया फोटो? हमें नहीं था इस बात का एहसास? सुना है छाबा जी ने ठाकुर साहब को किया रिप्लाइ? कहा यही फॉर्मेट इस बार हमें होर्डिंग बनाने के लिए मिला है? जो कुछ है वो है बस इस बात का इफैक्ट? हमारे दिल में नहीं आया है किसी बात का डिफैक्ट?

नोट : उठते सवाल का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि राजना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

पुरबिया जन कल्याण परिषद के सदस्यों ने की हिंडन छठ घाट की पूजा



साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पुरबिया जन कल्याण परिषद के सदस्यों ने सोमवार को हिंडन छठ घाट पर मंत्रोच्चारण नारियल तोड़कर कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। इस दौरान जिले के सभी विभागों के अधिकारी सभी छठ घाटों के कार सेवक उपस्थित हुए। 5 से 8 नवम्बर तक महापर्व का कार्यक्रम चलेगा। घाट प्रभारियों ने अपने घाटों की व्यवस्था के बारे में बताया। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि पर्व से पहले सभी कार्य पूरे कर लिए जायेंगे। समय से हिंडन नदी में पर्याप्त जल छोड़ने के लिए प्रशासन प्रयासरत है।



7 नवम्बर को जनरल वीके सिंह घाटों पर हेलीकॉप्टर से करेंगे पुष्पवर्षा

करंट क्राइम। राष्ट्रीय अध्यक्ष रीता सिंह वह राष्ट्रीय महासचिव राकेश तिवारी ने बताया कि 7 नवम्बर को डॉ० जनरल वीके सिंह सभी घाटों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर व्रतधारियों, श्रद्धालुओं का एवं छठ माला का सम्मान करेंगे। उन्होंने कहा घाट पर सोमवार को सफाई व्यवस्था की गई है। नगर निगम का पूरा सहयोग मिल रहा है, घाट की पूर्णता सफाई कर रही है।

चिट्ठू जी

तरुण शर्मा : बिल्कुल सही पकड़े हो चिट्ठू!

चिट्ठू जी : मेरे प्यारे माइयों और मि कुछ कहने की जरूरत है। फोटो देखकर समझ जाओ, जीत तो सांसद अतुल गर्ग की ही होनी थी। कोई शक?

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिट्ठू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिट्ठू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

Dr.Vineeta Tyagi

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। विनीता त्यागी ने अपने उस पल को साझा किया जिसमें उन्होंने दीपावली की खुशियों में मदद की रोशनी दिखाई। एक जज्बा है ये मदद का और एक सार्थक संदेश भी। विनीता त्यागी की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

दैनिक करंट क्राइम पर जमकर शेयर की भाई-बहन ने भाई दूज की बधाइयां



बहन सिद्धि शर्मा, भाई अविराज शर्मा

